महानिदेशालय विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड देहरादून

गणतंत्र दिवस संदेश

67वें गणतंत्र दिवस के सुअवसर पर विद्यालयी शिक्षा विभाग के समस्त अधिकारियों, कार्मिकों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों एवं छात्रों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। गणतंत्र के विगत 66 वर्षों में देश आर्थिक, विज्ञान एवं तकनीकी, संचार एवं अन्तरिक्ष विज्ञान के क्षेत्रों में आशातीत सफलता अर्जित करते हुये विश्व को अपनी शक्ति का अहसास कराने में सफल रहा है। लेकिन अब भी बहुत से क्षेत्र हैं जिसमें अग्रेत्तर प्रगति की सम्भावनाएं विद्यमान हैं।

किसी भी देश की प्रगति में जहां देश के नागरिकों का सबसे महत्वपूर्ण योगदान होता है वहीं अच्छे नागरिकों के निर्माण में शिक्षा का मुख्य योगदान है। अच्छी शिक्षा से ही छात्रों में अच्छे गुणों, तथा कौशल का विकास किया जा सकता है। शिक्षा के उन्नयन हेतु हम निरन्तर प्रयासरत हैं। विद्यालय विहिन क्षेत्रों में विद्यालय स्थापित कर तथा यथासम्भव उच्चीकरण कर प्रत्येक बच्चे तक शिक्षा पहुँचाने के प्रयास लगातार जारी है। यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी कि दूरस्थ क्षेत्रों तक विद्यालय के माध्यम से शिक्षा की पहुँच बनाने में हम सफल रहे हैं, लेकिन गुणवत्ता परक शिक्षा पहुँचाने की चुनौती अब भी हमारे सामने है। गुणवत्तापरक शिक्षा के लिए पाठ्यक्रम में यथाआवश्यक परिवर्तन किए जा रहे हैं। व्यावसायिक शिक्षा के साथ ही कौशल विकास के प्रयास किये जा रहे हैं। शिक्षकों, कार्मिकों तथा छात्रों की उपस्थिति के साथ विद्यालय में शैक्षिक वातावरण को परिष्कृत करने हेतु लगातार अनुश्रवण करते हुए शिक्षकों एवं संस्थाध्यक्षों को अनुसमर्थन भी दिया जा है।

शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु राज्य सरकार कृत संकल्प है। राजकीय विद्यालयों में गुणवत्तायुक्त शिक्षा उपलब्ध कराने हेतु प्रत्येक ब्लॉक में पांच–पांच मॉडल स्कूल एवं प्रदेश में राजीव गांधी अभिनव आवासीय विद्यालयों के माध्यम से शिक्षण में तकनीकी का प्रयोग, फर्नीचर, प्रयोगशाला, पुस्तकालय, खेलकूद एवं स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है। छात्र–छात्राओं में वैज्ञानिक अभिरूचि उत्पन्न करने के दृष्टिगत राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के अन्तर्गत विज्ञान एवं गणित विषयों का शिक्षण Project /Multimedia Content के माध्यम से रूचिकर बनाया जा रहा है।

विभागीय योजनाओं के साथ–साथ रमसा, सर्व शिक्षा अभियान जैसी परियोजनाओं, सीमैट, एस0सी0ई0आर0टी0, डायट आदि के माध्यम से विद्यालयों के भौतिक स्वरूप के साथ–साथ प्रशिक्षकों के माध्यम से शिक्षकों के कौशल में वृद्धि की जा रही है ताकि बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा उपलब्ध कराई जा सके।

उपरोक्त की पूर्ति हेतु समस्त अधिकारियों, प्रधानाचार्यों, शिक्षकों को अपनी सेवा शर्तों के अनुरूप कार्य करने के साथ–साथ अतिरिक्त नैतिक जिम्मेदारी से कार्य दायित्वों का निर्वहन करना होगा। मेरा विश्वास है कि उक्तानुसार कर्तव्य निर्वहन से हम प्रत्येक छात्र तक गुणवत्तापरक शिक्षा उपलब्ध कराने में सफल होंगे।

जय हिन्द

(डी0 सेन्थिल पांडियन)
महानिदेशक
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड।